बालमन कुछ कहता है

कोरोना

जैंसा की हूमसब जानते हैं विश्व भर में 'कोरोना' (कोविड-19) नाम की एक महामारी फैली हुई है। यह एक विषाणु (वायरस) जनित संक्रामक रोग है, जिससे पूरा विश्व प्रभावित है। यह एक व्यक्ति के संपर्क से कई व्यक्तियों में फैल जाता है। विश्व के अनेक देशों में इसके मामलें सामने आए हैं। इस महामारी के कारण कई लोगों की जान भी गई है। विश्व में इस महामारी का पहला मामला 2019 में चीन के वुहान शहर में पाया गया था और फिर पूरी दुनिया में फैल गया। भारत में इस महामारी का पहला मामला 30 जनवरी 2020 में केरल में पाया गया था। धीरे-धीरे यह भारत के सभी राज्यों में फैलना शुरू हो गया। इस कारण भारत में लाखों लोगों की मौत हो गई। देश के अधिकांश लोग बिमार हो गए जिस कारण देश में कई बार लॉकडाउन लगाने पड़े। भारत में 22 मार्च को जनता कर्फ्यू का ऐलान किया गया। 23 मार्च को भारत में सबसे पहला लॉकडाउन लगा। इस बीमारी से देश की सारी व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई। वैंसे तो सभी लोग इससे प्रभावित हुए लेकिन इसका सबसे ज्यादा असर शिक्षा व्यवस्था पर पड़ा। अभी तक इस महामारी की तीन लहरें आ चुकी हैं। पहली लहर बिटा का पहला मामला चीन में पाया गया, दूसरी लहर डेल्टा का पहला मामला इंग्लैंड में पाया गया और तीसरी लहर ओमिक्रॉन का पहला मामला साउथ अफ्रीका में पाया गया। हालात ऐसे हो गए की अमेरिका, इटली, चीन, ऑस्ट्रेलिया जैंसे बड़े देशों में एक दिन में एक लाख से भी ज्यादा मामले सामने आने लगे। बीस हज़ार से भी ज्यादा मौत होने लगी। इस वाईरस की कोइ भी वैंक्सीन पहले से विकसित नहीं थी। फिर इस वाईरस की वैंक्सीन तैंयार की गई और लोगों को वैंक्सीन लगनी भी शुरू हो गई। भारत में 16 जनवरी 2021 में टीकाकरण शुरू हो गया। तीन जनवरी 2022 से पंद्रह से अठारह वर्ष के लिए भी टीकाकरण शुरू हो गया। मार्च 2022 से बारह से पंद्रह वर्ष के लिए भी टीकाकरण शुरू हो सकता है।

नाम – वाणी वत्स
कक्षा – पाँचवी
विद्यालय नाम – केन्द्रीय विद्यालय जे. एन. यू.
(NCERT शाखा)